



Mohit



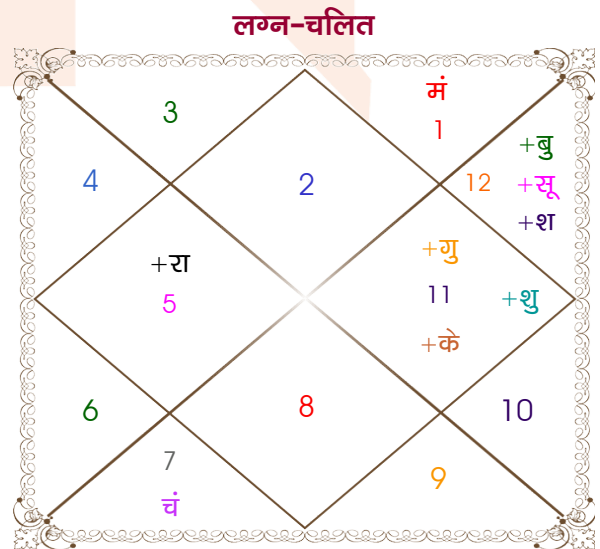
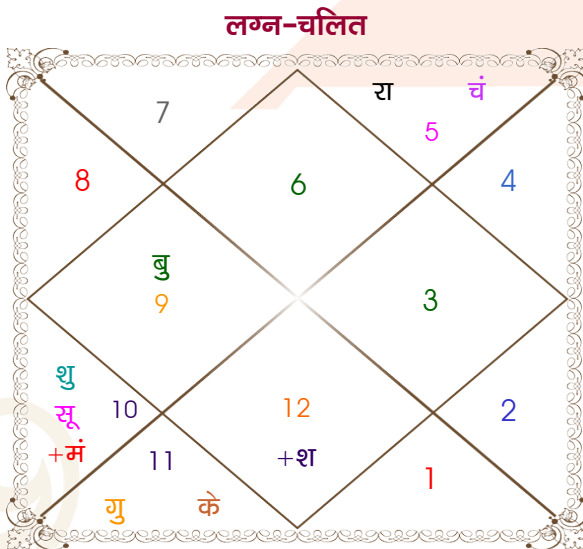
Riya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119766803

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 16/01/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 12/04/1998
 शुक्रवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 22:30:00 : _____ जन्म समय _____ 08:25:00 घंटे
 घंटे 37:59:28 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 06:03:20 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Karnal : _____ स्थान _____ Kurukshetra
 29:41:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:59:00 उत्तर
 76:59:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:51:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:22:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:22:36 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 07:18:12 : _____ सूर्योदय _____ 05:59:56
 17:45:34 : _____ सूर्यास्त _____ 18:47:32
 23:49:43 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:51

विंशोत्तरी शुक्र 13वर्ष 0मा 9दि चन्द्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 3वर्ष 4मा 17दि गुरु
26/01/2017	04:20:43	कन्या	लग्न	वृष	11:44:45	29/08/2019
26/01/2027	02:32:01	मक	सूर्य	मीन	28:10:38	29/08/2035
चन्द्र	17:58:58	सिंह	चंद्र	तुला	00:13:39	गुरु
26/11/2017	29:19:09	मक	मंगल	मेष	05:28:44	16/10/2021
मंगल	11:23:23	धनु	बुध व	मीन	18:45:43	29/04/2024
27/06/2018	01:49:44	कुंभ	गुरु	कुंभ	21:49:21	04/08/2026
राहु	02:08:44	मक व	शुक्र	कुंभ	12:21:37	11/07/2027
गुरु	20:35:17	मीन	शनि	मीन	29:20:32	11/03/2030
शनि	17:25:30	सिंह	राहु व	सिंह	16:06:12	29/12/2030
बुध	17:25:30	कुंभ	केतु व	कुंभ	16:06:12	29/04/2032
केतु	14:10:09	मक	हर्ष	मक	18:23:54	04/04/2033
शुक्र	05:42:04	मक	नेप	मक	08:11:42	29/08/2035
सूर्य	13:25:51	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:57:19	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डवीपज का वर्ग श्वान है तथा Riya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डवीपज और Riya का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डवीपज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

Riya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Riya कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डवीपज कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डवीपज तथा Riya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

